Regarding enhancement of pension given to Senior Citizens, Widows and Divyangjan

श्री राजेश रंजन (पूर्णिया) : सभापति महोदय, एमपी लोगों की तनख्वाह बढ़ा गयी है । लेकिन ममता वर्कर, आशा वर्कर, रसोईया, आंगनवाड़ी वर्कर लगातार अपनी तनख्वाह बढ़ाने की मांग करते हैं । इस देश में यह एक बड़ा मुद्दा है कि जो लोग 24 घंटे में से 12 घंटे अपना योगदान सरकार बनाने में, समाज बनाने में निभाते आए हैं, उनका वेतनमान कब बढ़ेगा? सरकार बार-बार कहती है, अन्य कर्मचारियों की तरह ये लोग भी काम करते हैं । इस पर सरकार की कोई तवज्जो नहीं है, ध्यान नहीं है । दूसरा मुद्दा इसी से जुड़ा है । मान्यवर, चाहे वह वृद्ध पेशंन हो, चाहे निशक्त पेंशन हो, विधवा पेंशन हो, जब मैं गांव जाता हूँ, तो समाज में जो ये कमज़ोर तबके के लोग हैं, ईबीसी हैं, एससी, एसटी हैं, जिसके पास न तो कोई ज़मीन है, न कोई उपाय मज़दूरी के अलावा है, इनके लिए चार सौ रुपये पेंशन कब तक चलेगी? सरकार पेंशन को बढ़ा कर कम से कम 2000 रुपये करे, यह मांग लगातार उठती है । छह-छह पेंशन हैं और क्या पेंशन बढ़ाने पर कोई भूमिका सरकार की है? मेरा सरकार से आग्रह है कि लगातार देश भर में आंदोलन हो रहा है, चाहे पेंशन के मुद्दे हों, चाहे यह वेतनमान बढ़ाने का मुद्दा हो, चाहे कल्याण छात्रावास से ले कर छात्रवृत्ति बढ़ाने का मुद्दा हो । क्या सरकार कभी, जो मिडिल क्लास के बच्चे हैं, एससी, एसटी के बच्चे हैं, कल्याण छात्रावास के जो बच्चे हैं, जिनकी स्कॉलरशिप बंद कर दी गयी, उनके बारे में कभी सोचेगी? जिनकी छात्रवृत्ति बढ़ानी थी, उसको रोक दिया गया । मैं सरकार से मांग करता हूँ कि हर कीमत पर आशा वर्कर, ममता वर्कर, रसोइया आदि के वेतनमान को बढ़ाया जाए । साथ-साथ पेंशन को बढ़ाया जाए और छात्रवृत्ति को भी बढ़ाया जाए ।